स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक परीक्षा

लक्ष्य झारखण्ड

प्रवक्ता (PGT)

संस्कृत

लेखक एवं सम्पादक

सर्वज्ञभूषण

सह-सम्पादक

मनीष शर्मा

राजकीयकृत+2 बीरेन्द्र अयन उच्च विद्यालय डोरण्डा, धनवार, गिरिडीह

सुमनसिंह

माता सेवक इण्टर कॉलेज, बैरी बीसा, भदोही

पाठ्यक्रम

प्रवक्ता झारखण्ड (संस्कृत)

विषय- संस्कृत भाषा और साहित्य

1. **संस्कृत भाषा का उद्भव और विकास** [भारतीय यूरोपीय (भारोपीय) से मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं की सामान्य रूपरेखा]।
2. **संस्कृत साहित्य के इतिहास का साधारण ज्ञान,** साहित्य समीक्षा के प्रमुख सिद्धान्त। महाकाव्य, नाटक, गद्यकाव्य, गीतिकाव्य और संग्रह-ग्रन्थ आदि साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास।
3. **प्राचीन भारतीय संस्कृति और दर्शन** जिसमें वर्णाश्रम-व्यवस्था, संस्कार और प्रमुख दार्शनिक प्रवृत्तियों पर विशेष बल दिया जाय।
4. **निम्नलिखित कृतियों का सामान्य अध्ययन-**

क.	कठोपनिषद्	ख.	श्रीमद्भगवद्गीता
ग.	बुद्धचरितम् (अश्वघोष)	घ.	स्वप्नवासवदत्तम् (भास)
ङ.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास)	च.	मेघदूतम् (कालिदास)
छ.	रघुवंशम् (कालिदास)	ज.	कुमारसम्भवम् (कालिदास)
झ.	मृच्छकटिकम् (शूद्रक)	ञ.	किरातार्जुनीयम् (भारवि)
ट.	शिशुपालवधम् (माघ)	ठ.	उत्तररामचरितम् (भवभूति)
ड.	मुद्राराक्षसम् (विशाखदत्त)	ढ.	नैषधीयचरितम् (श्रीहर्ष)
ण.	राजतरङ्गिणी (कल्हण)	त.	नीतिशतकम् (भर्तृहरि)
थ.	कादम्बरी (बाणभट्ट)	द.	हर्षचरितम् (बाणभट्ट)
ध.	दशकुमारचरितम् (दण्डी)	न.	प्रबोधचन्द्रोदय (कृष्णमिश्र)

5. **चुनी हुई निम्नलिखित पाठ्यसामग्री के मौलिक अध्ययन हेतु प्रामाणिक पाठ्यग्रन्थ-** केवल इन्हीं ग्रन्थों से प्रश्न पूछे जायेंगे।
   1. कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय-तृतीय वल्ली, श्लोक- 10 से 15 तक)
   2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय, श्लोक- 13 से 25 तक)
   3. बुद्धचरितम् (तृतीय सर्ग, श्लोक- 1 से 10 तक)
   4. स्वप्नवासवदत्तम् (षष्ठ अङ्क)
   5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अङ्क)
   6. मेघदूतम् (पूर्वमेघ, श्लोक-1 से 10 तक)
   7. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)
   8. उत्तररामचरितम् (तृतीय अङ्क)
   9. नीतिशतकम् (श्लोक-1 से 10 तक)
   10. कादम्बरी (शुकनासोपदेश)
   11. कौटिल्य अर्थशास्त्र (प्रथम अधिकरण-प्रथम प्रकरण- द्वितीय अध्याय, शीर्षक- '**विद्यासमुद्देशः आन्वीक्षिकीस्थापना**' सप्तम प्रकरण- 11वाँ अध्याय, शीर्षक- '**गूढपुरुषोत्पत्तिः**')